पाठ 8. चंद्रशेखर वेंकट रामन

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले भारतीय वैज्ञानिक सी॰वी॰ रामन के व्यक्तित्व से परिचित करवाना है। इस पाठ द्वारा बच्चे जान पाएँगे कि जीवन में सफलता पाने अथवा अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मनुष्य को कड़ी मेहनत के साथ दृढ़-निश्चयी होना अत्यंत आवश्यक है।

पाठ का सारांश

चंद्रशेखर वेंकट रामन का जन्म तमिलनाडु के एक गाँव में सन् 1888 में हुआ था। वे बचपन से ही तीव्र बुद्धि के बालक थे। वे हर कक्षा में प्रथम आते थे। वेंकट रामन का विज्ञान के प्रति अत्यधिक झुकाव था। उनकी पत्नी त्रिलोकसुंदरी ने भी उनका भरपूर साथ दिया। वेंकट रामन दिन-रात प्रयोगशाला में अनुसंधान करते रहते थे। सन् 1917 में लंदन जाते समय भूमध्य सागर के गहरे नीले पानी को देखकर उनके मन में नीले रंग को लेकर प्रश्न कौंधा। उन्होंने इसपर शोधकार्य किया और एक निष्कर्ष निकाला। उनकी यह खोज ही 'रामन प्रभाव' के नाम से प्रसिद्ध हुई। इसी उपलब्धि पर वेंकट रामन को नोबेल पुरस्कार मिला। इसी खोज की याद में प्रति वर्ष 28 फरवरी का दिन 'राष्ट्रीय विज्ञान दिवस' के रूप में मनाया जाता है। वेंकट रामन को कई अन्य पुरस्कार भी मिले। उनका जीवन सादा तथा स्वभाव सरल था। सन् 1970 में इस महान वैज्ञानिक की मृत्यु हो गई। भौतिकी विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान अविस्मरणीय है।

अध्यापन संकेत

पाठ वाचन से पूर्व **पठन-पूर्व चर्चा** में पूछे गए प्रश्नों पर चर्चा करें। पाठ का आदर्श वाचन करें। बच्चों को चंद्रशेखर वेंकट रामन के बारे में बताएँ। उन्हें नोबेल पुरस्कार के बारे में जानकारी दें। बताएँ कि नोबेल पुरस्कार के जनक स्वीडन वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल हैं। पाठ में निहित जीवन-मूल्यों को बच्चों में विकसित करें।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें –

- नोबेल पुरस्कार किस-किस क्षेत्र में दिया जाता है?
- क्या आपके मन में भी कुछ चीज़ों के होने का कारण जानने की जिज्ञासा उत्पन्न होती है? अपनी जिज्ञासाएँ बताइए।
- भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान कौन-सा है?
- किन-किन भारतीयों अथवा भारतीय मूल के लोगों को नोबेल पुरस्कार मिल चुका है? बताएँ।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।